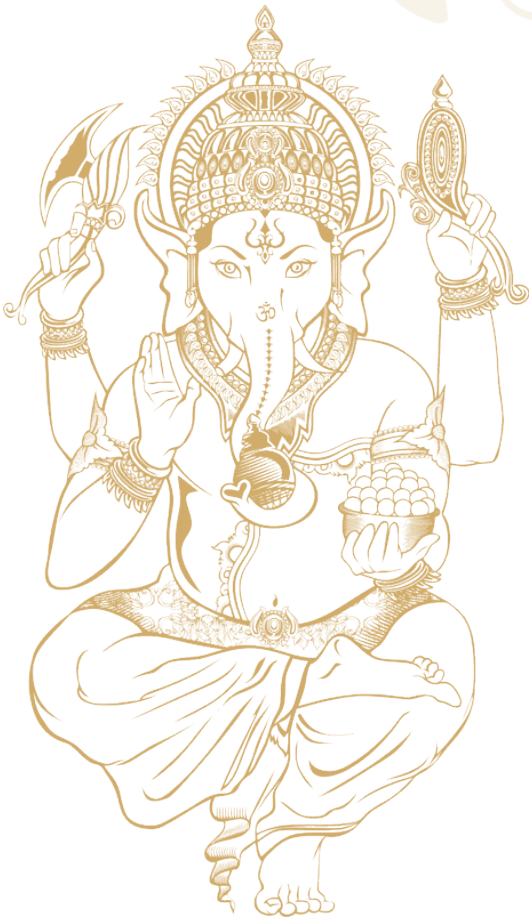

Ms.

Ms.

Model: Horoscope-Matching

Order No: 119161101

Model: Horoscope-Matching

Order No: 119161101 Date: 20/08/2025

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
27/03/1998	जन्म तिथि	03/01/1998
शुक्रवार	दिन	शनिवार
घंटे 10:43:00	जन्म समय	07:55:00 घंटे
घटी 11:43:08	जन्म समय(घटी)	02:30:20 घटी
Nepal	देश	India
Kathmandu	स्थान	Delhi
27:05:00 उत्तर	अक्षांश	28:39:00 उत्तर
85:04:00 पूर्व	रेखांश	77:13:00 पूर्व
86:15:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:04:44	स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:01:44	सूर्योदय	07:14:39
18:19:09	सूर्यास्त	17:36:36
23:49:50	चित्रपक्षीय अयनांश	23:49:41
मिथुन	लग्न	धनु
बुध	लग्न लग्नाधिपति	गुरु
कुम्भ	राशि	कुम्भ
शनि	राशि-स्वामी	शनि
पू०भाद्रपद	नक्षत्र	शतभिषा
गुरु	नक्षत्र स्वामी	राहु
3	चरण	3
शुक्ल	योग	व्यतिपात
शकुनि	करण	बालव
दा-दामोदर	जन्म नामाक्षर	सी-सीमा
मेष	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मकर
शूद्र	वर्ण	शूद्र
मानव	वश्य	मानव
सिंह	योनि	अश्व
मनुष्य	गण	राक्षस
आद्य	नाड़ी	आद्य
सर्प	वर्ग	मेष

MANWENDRA SHARMA
Nepal Adhyatimk Jyotish Sansthan
9851036217, 9801136217

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
गुरु 4वर्ष 9मा 25दि		03:12:57	मिथु	लग्न	धनु	27:51:18	राहु 5वर्ष 6मा 2दि	
बुध		12:29:43	मीन	सूर्य	धनु	18:40:15	शनि	
20/01/2022		29:19:01	कुंभ	चंद्र	कुंभ	15:55:14	07/07/2019	
20/01/2039		23:28:29	मीन	मंगल	मक	18:35:31	07/07/2038	
बुध	18/06/2024	27:38:24	मीन	बुध	वृश्चि	26:05:12	शनि	10/07/2022
केतु	15/06/2025	18:15:34	कुंभ	गुरु	मक	28:51:36	बुध	19/03/2025
शुक्र	15/04/2028	26:00:54	मक	शुक्र व	मक	09:02:04	केतु	28/04/2026
सूर्य	19/02/2029	27:20:31	मीन	शनि	मीन	19:59:29	शुक्र	28/06/2029
चन्द्र	22/07/2030	16:35:28	सिंह व	राहु व	सिंह	18:25:11	सूर्य	10/06/2030
मंगल	19/07/2031	16:35:28	कुंभ व	केतु व	कुंभ	18:25:11	चन्द्र	09/01/2032
राहु	04/02/2034	17:51:23	मक	हर्ष	मक	13:24:18	मंगल	17/02/2033
गुरु	12/05/2036	07:56:06	मक	नेप	मक	05:11:31	राहु	25/12/2035
शनि	20/01/2039	14:09:39	वृश्चि व	प्लूटो	वृश्चि	13:00:26	गुरु	07/07/2038

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

23:49:50 चित्रपक्षीय अयनांश 23:49:41

लग्न-चलित

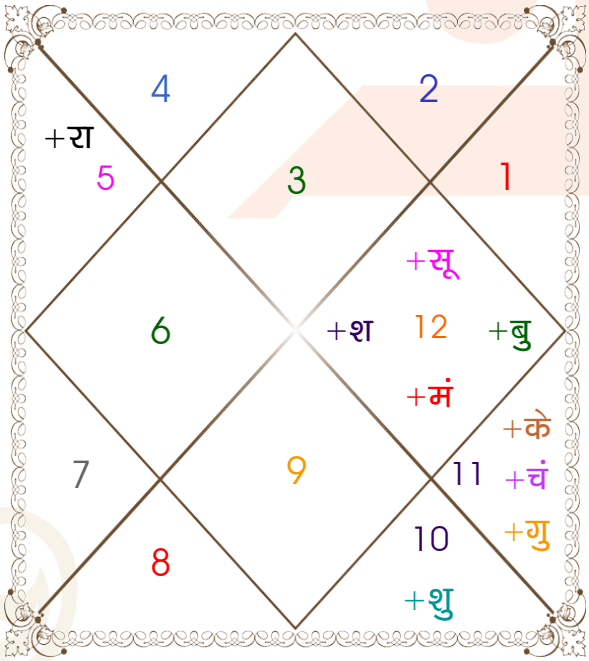

लग्न-चलित

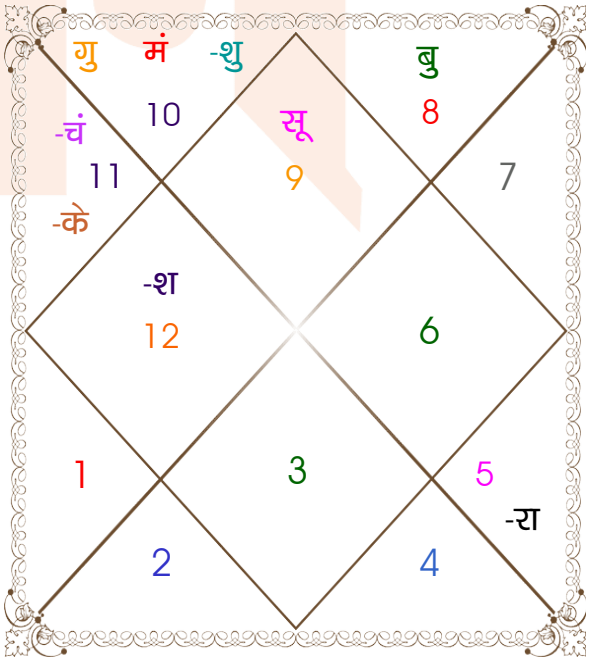

MANWENDRA SHARMA
Nepal Adhyatimk Jyotish Sansthan
9851036217, 9801136217

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	मानव	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	सम्पत	अतिमित्र	3	3.00	--	भाग्य
योनि	सिंह	अश्व	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	शनि	शनि	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	राक्षस	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	कुम्भ	कुम्भ	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	आद्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	19.00		

कुल : **19 / 36**

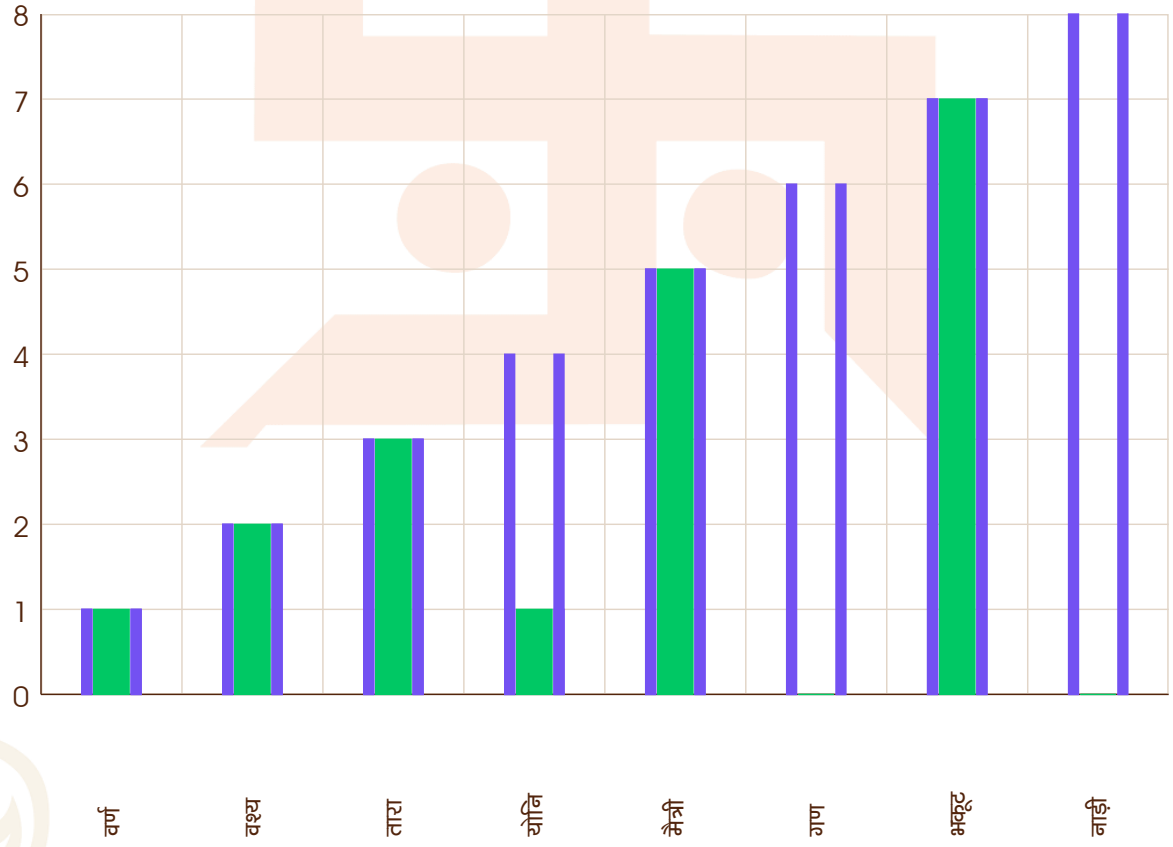

MANWENDRA SHARMA
Nepal Adhyatimk Jyotish Sansthan
9851036217, 9801136217

अष्टकूट मिलान

गणदोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता है।

नाड़ी दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के नक्षत्र भिन्न हैं तथा राशियां एक है।

इस मिलान में नक्षत्र दोष भी विधमान है।

Ms. का वर्ग सर्प है तथा Ms. का वर्ग मेष है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Ms. और Ms. का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

Ms. मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में दशम् भाव में स्थित है।

Ms. मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वितीय भाव में स्थित है।

Ms. तथा Ms. में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।

अष्टकूट फलादेश

वर्ण

Ms. का वर्ण शूद्र है तथा Ms. का वर्ण भी शूद्र है। इसमें दोनों का वर्ण समान है अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। दोनों के स्वभाव, व्यवहार, दृष्टिकोण, पसन्द-नापसन्द में समानता रहेगी। साथ ही दोनों में इतना प्रेम होगा कि लगेगा कि दोनों एक-दूसरे के लिए ही बने हों। दोनों के बीच गहरा प्रेम, सद्भाव, साहचर्य एवं पारस्परिक समझ बनी रहेगी। दोनों घर की सामाजिक एवं आर्थिक स्थिति को उन्नत एवं सुदृढ़ बनाने के लिए साथ मिलकर कार्य करते रहेंगे।

वश्य

Ms. का वश्य द्विपद अर्थात मनुष्य है एवं Ms. का वश्य भी द्विपद अर्थात मनुष्य है अर्थात दोनों का वश्य समान है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान होगा। Ms. एवं Ms. दोनों के स्वभाव, गुण, व्यवहार पसंद/नापसंद तथा बुद्धि एवं ज्ञान एक समान होंगे। यह मिलान अति अनुकूल है तथा दोनों एक-दूजे के लिए ही बने हैं। दोनों के बीच प्रेम, सद्भावना एवं आपसी समझ एवं सामंजस्य की भावना बनी रहेगी। दोनों एक-दूसरे का सम्मान करेंगे तथा मिलजुलकर पारिवारिक दायित्वों का बोझ एक-दूसरे की सहायता एवं सहयोग करके साथ उठाते रहेंगे।

तारा

Ms. की तारा सम्पत तथा Ms. की तारा अतिमित्र है। अतः तारा मिलान अनुकूल होने के कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। इस मिलान के कारण उत्तम स्वास्थ्य, धन एवं समृद्धि का बनी रहेगी। इस विवाह से Ms. एवं Ms. दोनों के सौभाग्य के द्वार खुल जायेंगे। Ms. एक अच्छे साथी की भूमिका अदा करने वाली होगी तथा अपने पति की हर प्रकार से समय समय पर मदद करती रहेगी। घर में प्रेम, शांति एवं सौहार्द का माहौल बना रहेगा। इनकी संतान भी काफी अच्छी होंगी तथा जीवन में सफलता प्राप्त करती रहेंगी।

योनि

Ms. की योनि सिंह है तथा Ms. की योनि अश्व है। अर्थात दोनों की योनि समान नहीं है। इन दोनों योनि के बीच सामान्य वैर है। अतः यह मिलान अच्छा मिलान न होकर बुरा मिलान ही रहेगा। जिसके कारण दोनों की रुचि एवं पसंद नापसंद अलग- अलग ही होंगी। इनके वैवाहिक एवं पारिवारिक जीवन में अक्सर लड़ाई झगड़े हो सकते हैं। कभी- कभी लड़ाई झगड़ा घरेलू हिंसा का रूप भी ले सकता है। लड़ाई झगड़े के कारण पारिवारिक माहौल तनावपूर्ण एवं कलेशपूर्वक ही रहेगा। दोनों कभी कभी एक दूसरे पर हिंसक आक्रमण भी कर सकते हैं। दोनों के बीच झगड़े का कारण बुद्धिमत्ता एवं परस्पर समझदारी की कमी ही हो सकती है। यदि समझदारी और समझबूझ से काम न लिया गया तो कुछ समय अंतराल पर यह स्थिति मुकदमेबाजी तक भी पहुंच सकती है। इस प्रकार परस्पर प्रेम एवं सौहार्द्र की भावना का अभाव

ही रहेगा। साथ ही दोनों के बीच अविश्वास की भावना भी रह सकती है। कभी-कभी धनहानि होने की भी संभावना होगी। अतः यदि दोनों परस्पर समझदारी एवं बुद्धि से काम लें तो स्थिति को सुधारा भी जा सकता है। परस्पर लड़ाई झगड़े और वैचारिक मतभेद रहने के कारण परिवार में सुख समृद्धि का अभाव ही देखने को मिलेगा। इस प्रकार वैवाहिक जीवन संघर्षपूर्ण व कलेशपूर्वक बीतने की संभावना है अतः सतर्कता बरतें।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में Ms. एवं Ms. दोनों के राशि स्वामी समान हैं। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से अति उत्तम मिलान है। ज्यातिष की दृष्टि से यदि Ms. एवं Ms. दोनों के राशि स्वामी एक ही होने के कारण कुंडली मिलान में इसे अति उत्तम माना जाता है तथा पूरे 5 अंक प्रदान किए जाते हैं। जिसके कारण दोनों में असीम प्रेम बना रहेगा तथा साथ ही दोनों जीवन के हर क्षेत्र में एक-दूसरे का सहयोग करते रहेंगे। इनका प्रयास रहेगा कि वे स्वयं को आदर्श दम्पत्ति साबित कर सकें। इनके बच्चे योग्य, आज्ञाकारी, सफल एवं यशस्वी होंगे।

गण

Ms. का गण मनुष्य तथा Ms. का गण राक्षस है। अतः यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। अतः Ms. का निर्दयी, निष्ठुर एवं कड़ा स्वभाव रहेगा जिसके कारण Ms. एवं उसके परिवार के सदस्यों का जीवन कष्टपूर्ण हो सकता है। साथ ही पति-पत्नी के बीच अक्सर लड़ाई-झगड़ा बना रह सकता है। जिसके कारण तलाक एवं मुकदमे की संभावना भी बन सकती है।

भकूट

Ms. एवं Ms. दोनों की राशि एक समान ही है इसलिये यह अति उत्तम मिलान है। ऐसा मिलान Ms. एवं Ms. तथा परिवार के चतुर्दिक विकास के मार्ग को प्रशस्त करता है। इन्हें अनेक रूपों में ईश्वरीय कृपा जैसे - सौभाग्य, सम्पत्ति, समाज में मान-सम्मान तथा योग्य संतान आदि प्राप्त होगी।

नाड़ी

Ms. की नाड़ी आद्य है तथा Ms. की नाड़ी भी आद्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोषपूर्ण है। अर्थात यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। Ms. एवं Ms. दोनों की आद्य नाड़ी होने से, दम्पत्ति वात से संबंधित बीमारियों एवं रोगों के शिकार हो सकते हैं। ज्योतिषीय दृष्टि से ऐसे दम्पत्ति जिनकी नाड़ी एक ही हों, उनकी संतानें रक्ताल्पता, रक्त में हीमोग्लोबिन की कमी का शिकार हो सकते हैं। वे पढ़ाई एवं कार्य में संकेन्द्रण की कमी जैसी व्याधियों एवं परेशानियों के शिकार हो सकते हैं अथवा बचपन या किशोरावस्था में ही उनकी मृत्यु हो सकती है।

मेलापक फलित

स्वभाव

Ms. और Ms. दोनों की वायुतत्व युक्त राशि कुम्भ है। अतः इसके प्रभाव से इनकी स्वभावगत विशेषताएं समान रूप से विद्यमान होंगी जिससे दाम्पत्य संबंधों में मधुरता होगी एवं वैवाहिक जीवन सुखमय रहेगा। अतः यह मिलान उत्तम रहेगा।

Ms. और Ms. की जन्म राशि का स्वामी शनि है। अतः इसके शुभ प्रभाव से आपसी संबंधों में पूर्ण अपनत्व का भाव होगा तथा एक दूसरे के प्रति प्रेम सहानुभूति एवं समर्पण के भाव की प्रबलता होगी । साथ ही सुख दुख में एक दूसरे को पूर्ण सहायता प्रदान करेंगे। Ms. और Ms. सच्चे मित्रों की तरह जीवन यापन करेंगे तथा गुणों की मुक्त भाव से प्रशंसा करके कमियों की उपेक्षा करेंगे। इससे दोनों के मन में हार्दिक लगाव रहेगा तथा वैवाहिक जीवन सुख एवं आनंद पूर्वक व्यतीत होगा।

Ms. और Ms. की राशियां परस्पर प्रथम भाव में पड़ती हैं। शास्त्रानुसार यह शुभ भकूट माना जाता है। इसके शुभ प्रभाव से उपरोक्त शुभ प्रभावों में वृद्धि होगी तथा एक दूसरे के प्रति आकर्षण तथा सम्मान का भाव रहेगा साथ ही एक दूसरे के अस्तित्व को पूर्ण रूपेण स्वीकार करेंगे एवं परस्पर व्यक्तिगत कार्यो में कम ही हस्तक्षेप करेंगे फलतः आपस में विश्वसनीयता का भाव बना रहेगा। इसके अतिरिक्त एक दूसरे के लिए सौभाग्य शाली सिद्ध होंगे तथा सांसारिक सुखों का उपभोग करेंगे।

Ms. और Ms. का वश्य मानव है। अतः इसके प्रभाव से इनकी अभिरूचियों में समानता होगी तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर आवश्यकताएं समान रहेंगी। साथ ही कामसंबधों में भी एक दूसरे को प्रसन्न तथा सन्तुष्ट करने में समर्थ रहेंगे। अतः जीवन सुखमय रहेगा।

Ms. और Ms. का वर्ण शूद्र है। अतः दोनों एक आदर्श कार्यकर्ता होंगे तथा ईमानदारी से अपने कार्य कलापों को सम्पन्न करेंगे। अतः कार्य क्षेत्र में सुदृढ़ता बनी रहेगी तथा कार्य क्षमता भी बराबर होगी।

धन

Ms. की तारा सम्पत तथा Ms. की तारा अतिमित्र है इसके शुभ प्रभाव से Ms. सौभाग्यशाली तथा धनवान व्यक्ति होंगे तथा Ms. के भाग्य से उनकी धन सम्पति में नित्य वृद्धि होती रहेगी। भकूट का उनकी आर्थिक स्थिति पर सामान्य प्रभाव रहेगा तथा उससे आर्थिक स्थिति सामान्य ही रहेगी। साथ ही मंगल का भी आर्थिक क्षेत्र पर कोई दुष्प्रभाव नहीं होगा। इस प्रकार वे ऐश्वर्य एवं समृद्धि से युक्त होंगे तथा प्रचुर मात्रा में धनार्जन करके अपना जीवन व्यतीत करेंगे।

Ms. और Ms. को अनायास धन प्राप्ति की पूर्ण संभावना रहेगी तथा जीवन में वे

समस्त भौतिक सुख संसाधनों का उपभोग करने में समर्थ रहेंगे। विशेष रूप से Ms. का शुभ प्रभाव इनकी आर्थिक स्थिति पर रहेगा तथा सामाजिक स्तर पर भी उनका पूर्ण सम्मान रहेगा।

स्वास्थ्य

Ms. और Ms. दोनों की आद्य नाड़ी है। इससे नाड़ी दोष का आभास होता है परन्तु दोनों की राशि का स्वामी एक ही ग्रह है तथा नक्षत्र भिन्न भिन्न हैं। अतः इससे उपरोक्त नाड़ी दोष समाप्त हो जाता है। साथ ही मंगल का भी Ms. और Ms. दोनों में से किसी के स्वास्थ्य पर दुष्प्रभाव नहीं है। अतः उत्तम स्वास्थ्य की दृष्टि से यह मिलान अच्छा रहेगा तथा इसके शुभ प्रभाव से वे उत्तम स्वास्थ्य से युक्त रहेंगे तथा परस्पर प्रभाव से सुख तथा प्रसन्नता पूर्वक अपना दाम्पत्य जीवन व्यतीत करने में समर्थ होंगे।

संतान

संतति प्राप्ति की दृष्टि से Ms. और Ms. का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उन्हें उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब भी नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म में भी सामान्य अंतर रहेगा जिससे उनका पालन पोषण उचित ढंग से करने में आसानी रहेगी। इसके अतिरिक्त Ms. और Ms. के पुत्र एवं कन्या संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव के विषय में Ms. के मन में पहले से ही अनावश्यक भय की अनुभूति रहेगी लेकिन Ms. को इस विषय में किसी भी प्रकार की चिन्ता नहीं करनी चाहिए तथा सामान्य रूप से गर्भावस्था का समय व्यतीत करना चाहिए। प्रसव काल में Ms. को प्रसूति या अन्य किसी भी प्रकार की चिकित्सा की आवश्यकता नहीं पड़ेगी तथा सुदंर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी। साथ ही स्वयं भी स्वस्थ एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

संतति पक्ष से Ms. और Ms. सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा बच्चे अपने क्षेत्र में अपनी बुद्धिमता तथा योग्यता से उन्नतिमार्ग पर अग्रसर होंगे। साथ ही व्यवहार कुशलता का गुण भी उनमें विद्यमान रहेगा। माता पिता के प्रति उनका पूर्ण आदर तथा आज्ञापालन का भाव रहेगा तथा उनकी इच्छा के विरूद्ध वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकार Ms. और Ms. का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

ससुराल-सुश्री

Ms. के सास से प्रायः अच्छे संबध रहेंगे। यद्यपि उनकी सास अन्य जनों के मामलों में कम ही हस्तक्षेप करने वाली महिला होंगी तथापि उनके कुछ सिद्धांत Ms. के लिए अनुकरणीय हो सकते है। साथ ही इन दोनों के मध्य कोई विशेष समस्या या मतभेद नहीं रहेंगे।

Ms. अपने कुशल व्यवहार मधुर वाणी एवं सेवा भाव से ससुर को प्रसन्न एवं सन्तुष्ट करने में सफलता प्राप्त करेंगी। साथ ही ननद एवं देवरों के साथ भी उनके संबध मित्रता पूर्ण रहेंगे तथा उनको पूर्ण सहयोग एवं स्नेह प्रदान करेंगी। अतः उनका दिल जीतने में सफल रहेंगी।

इस प्रकार Ms. के प्रति उनके सास ससुर का दृष्टि कोण आत्मयीता से पूर्ण रहेगा तथा घर में उसे पूर्ण सुख सुविधा तथा स्नेह प्रदान करेंगे।

ससुराल-श्री

Ms. के अपनी सास से सामान्य संबध रहेंगे। वह अपनी ओर से उन्हें पूर्ण आदर तथा सम्मान प्रदान करेंगे तथा उनकी सेवा तथा सुख सुविधा के प्रति भी तत्पर रहेंगे। इनके मध्य कोई विशेष मतभेद नहीं रहेंगे तथा Ms. अवसरानुकूल सपत्नीक से मिलने जाया करेंगे जिससे संबधों में मधुरता के भाव की वृद्धि होगी।

ससुर के प्रति भी Ms. का आदर तथा सेवा का भाव रहेगा तथा वे भी इनको पूर्ण स्नेह तथा सहानुभूति प्रदान करेंगे साथ ही ससुर भी समय समय पर महत्वपूर्ण मामलों में Ms. का दिग्दर्शन करेंगे। लेकिन साले एवं सालियों के साथ संबध अच्छे नहीं रहेंगे तथा परस्पर मतभेद एवं तनाव की बहुलता रहेगी। साथ ही एक दूसरे के प्रति प्रतिद्वन्दिता तथा ईर्ष्या का भी भाव रहेगा। लेकिन यदि Ms. तथा वे आपस में सामंजस्य रखें तो संबधों में अनुकूलता आ सकती है। इस प्रकार ससुराल में Ms. के संबध सामान्यतया अच्छे ही रहेंगे।